CACP ने कहा, मक्के से एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे सरकार

[ऋतुराज तिवारी | नई दिल्ली]

फसलों के मिनिमम सपोर्ट प्राइस (MSP) पर सुझाव देने वाले कमीशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइसेज (CACP) ने सरकार को मक्का से एथेनॉल बनाने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने की सलाह दी है। इससे मक्का की खेती करने वाले किसानों को अधिक लाभ होगा। CACP के चेयरमैन विजय पॉल शर्मा ने ईटी को बताया कि एथेनॉल एक्सट्रैक्शन के लिए मक्का सबसे अच्छा है। उन्होंने बताया, 'एथेनॉल को मक्के से निकालने की प्रक्रिया गन्ने के मुकाबले बेहतर है। फिलहाल एक्स्ट्रैक्शन के लिए गन्ने का अधिक इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, मक्के से एथेनॉल तैयार करने की प्रक्रिया में जो बाई-प्रॉडक्ट बचता है, वह जानवरों के अच्छे चारे की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। उससे कॉर्न स्टार्च और सिरप भी तैयार किया जा सकता है, जिससे प्रॉफिट बढ़ेगा।'

केंद्र सरकार की नेशनल पॉलिसी ऑन बायोफ्यूल्स - 2018 में 2030 तक पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा 20% पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है

केंद्र सरकार की नेशनल पॉलिसी ऑन बायोफ्यूल्स - 2018 में 2030 तक पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा 20 पर्सेंट पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। 2022 तक 10 पर्सेंट एथेनॉल ब्लेंड करने का टारगेट है। सरकार ने हाल में 'C' हेवी शीरे की कीमत 29 पैसे प्रति लीटर बढ़ाकर 43.75 रुपये प्रति लीटर कर दी है। 'B' हेवी शीरे का दाम 1.84 रुपये प्रति लीटर बढ़ाकर 54.27 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। सरकार ने पहली बार एथेनॉल के उत्पादन के लिए चीनी और शीरे के इस्तेमाल की अनुमति दी है। कैश की समस्या से जूझ रहीं शुगर मिलों को राहत देने के लिए चीनी से बनने वाले एथेनॉल की कीमत 59.48 रुपये पर तय की गई है। हालांकि, मक्का किसानों को ऐसी कोई राहत नहीं दी गई है।

सरकार की नई नीति में देश में एथेनॉल के उत्पादन के लिए गन्ने के अलावा अन्य फीडस्टॉक के इस्तेमाल की अनुमति दी गई है। इनमें खराब हो चुके अनाज, मक्का और अतिरिक्त फूडग्रेन शामिल हैं। कॉर्न से बनने वाले एथेनॉल पर अच्छी कीमत मिलने से किसान अधिक पानी से सींचे जाने वाले धान की जगह मक्का उगाने को प्रोत्साहित होंगे। इसका फायदा पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे पूर्वी राज्यों के किसानों को अधिक मिलेगा, जहां की कमी तेजी से बढ़ रही है। शर्मा ने बताया, 'मक्के की कीमतें पिछले दो-तीन सीजन से MSP के नीचे बनी हुई हैं। इसके स्टॉक के निपटारे से जुड़ी मुश्किलों के चलते कमोडिटी की खरीद भी मुद्दा बनी हुई है।'

Economic Times
5-9-2019